

#### व्रसाबारण

## EXTRAORDINARY

भाग II-- खण्ड 3--- उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

# प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

**ずっ 492**]

नई विल्ली, सोम गर, अन्डूबर 16, 1967/ब्राध्विन 24, 1889

No. 492]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 16, 1967'ASVINA 24, 1889

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह धलग संकलन ने कप में एका जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### NOTIFICATIONS

New Delhi, the 7th October 1967

S.O. 3760.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following amendment to the Essential Commodities (Regulation of Production and Distribution for purposes of Export) Order, 1966, published with the Notification of the Government of India, in the Ministry of Commerce Notification No. S.O. 1027, dated 26th March, 1966, namely:—

In the said Order.-

- (i) in sub-clause (a) of clause 2, the words ", and includes any other officer authorised by the Central Government under clause 5A in relation to the powers so exercisable by him"; shall be added at the end.
- (ii) after clause 5, the following clause shall be inserted, namely:—
  - "5A. Authorisation of other officers.—The Central Government may authorise any of its officers, not below the rank of an Under Secretary to the Government of India, to exercise all or any of the powers of the Director under this Order."

[No. 1(1)/67-TAEP-I.]

S.O. 3761.—In exercise of the powers conferred by clause 5A of the Essential Commodities (Regulation of Production and Distribution for the purpose of the Papert) Order, 1966, the Central Government hereby authorises Shri N. S. Valdyanathan, Deputy Secretary to the Government of India. Ministry of Commerce, to exercise all the powers of the Director under the said. Order.

[No. 1(1)/67-TAEP-II.]

A. C. BANERJEE Jt. Secy.

# वाजिक्य मंत्रक्षय

# मभिसूबन,एं

नई विल्ली 7 अक्टूबर, 1967

एस० ग्रो० 3762 ग्रत्यानप्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की भारा 3 द्वारा प्रवत्त मिलत्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा भारत सरकार, वाणिष्य मन्त्रालय की प्रधिसूचना संख्या सां० भा० 1027 दिनांक 26 मार्च, 1966 में प्रकाशित ग्रत्यावश्यक वस्तु (निर्यात के उद्देश्य से उत्पादन तथा वितरण का विनियमन) ग्रादेश, 1966 में निम्मलिखित संशोधन करती है, ग्रयांत:—

# उक्त ग्रादेश में:---

- (1) खण्ड (2) के ज़पखण्ड (ए) के भन्त में ये शब्द जोड़े जायेंगे: "भौर उसके द्वारा प्रयोग की जा सकने वाली शक्तियों के सम्बन्ध में खण्ड 5 ए के भ्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत कोई भन्य अधिकारी शामिल है"
- (2) खुण्ड 5 के बाद निम्नलिखित ओड़ा आरोगा; ग्रर्थात् :---
- "ई ए मृश्य मृश्यि हाहियों की प्रशिकृत ७ रनः केन्द्रीय सरकार प्रपने प्रधिकारियों में से किसी को भी, जिसका पद धारत सरकार के प्रवर सचित्र से कमन हो, इस प्रादेश के प्रधीन निदेशक की सभी शक्तियों या उनमें से किसी भी शक्ति का प्रयोग करने के सिवे प्राधिकृत कर सकेगी।"

[संव 1(1)/67-टी एई पी।]

एस्र० ह्यो० 3763 प्रत्यावस्यक वस्तु (निर्यात के उद्देश्य से उत्पादन तथा वितरण का विनियमन) भादेश, 1966 के बाण्ड 5 ए द्वारा प्रवत्त शक्तिकों का प्रमोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव् द्वारा उक्त भादेश के भधीन निदेशक की सभी सक्तिकों का प्रयोग करने हेतु श्री एन० एस० वैद्यनाथन, उपसच्चित्र, भारत सरकार, वाणिज्य मन्तालय को प्राधिकृत करती है।

> [सं० 1 (1) /67-टी ए ई पी-2 । ] ए० सी० बनर्जी, संस्कृत सचिव ।